Sixteenth Loksabha

an>

Tilte: Need to recruit girls in Armed Forces.

श्री दुऐयंत चौटाला (हिसार) : अध्यक्ष महोदया, आज आपके सामने यहां एक बड़ा गंभीर विऐाय रखने के लिए खड़ा हुआ हूं। पिछले दिनों जब मनोहर पार्रिकर जी डिफेंस मिनिस्टर थे, उन्होंने कहा था कि आने वाले समय में एन.डी.ए. और सैनिक स्कूल में हमारी बेटियों को जगह देने का काम सरकार करेगी। अरुण जेटली जी जब डिफेंस मिनिस्टर थे तो उन्होंने कहा था कि आज भी सैनिक स्कूल से पासआउट होने वाले 29.33 परसेंट कैडेट एन.डी.ए. में जाते हैं और लगभग 6 परसेंट बच्चे, जो राऐट्रीय मिलेट्री स्कूल के हैं, वे आज एन.डी.ए. जैसे एक एलीट इंस्टीटयूशन को ज्वाइन करते हैं।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह आग्रह करना चाहता हूं, क्योंकि आज हमारे देश की पहली महिला डिफेंस मिनिस्टर बनी हैं। इसलिए जो आज एक नयी बटालियन एन.डी.ए. में स्थापित की गई है, जिसमें तीन यूनिट हैं उसके अंदर एक यूनिट हमारी बेटियों के लिए भी सुनिश्चित करने का काम सरकार करे कि आने वाले समय में जो अहम रोल बॉर्डर लाइन इनफेंट्री का हो, मिलिट्री का हो, एयरफोर्स व नेवी का हो। उनके अंदर भी एन.डी.ए. एलीट इंस्टीटयूशंस में हमारी बेटियों को ट्रेन्ड होकर जगह मिले। आज यदि मैं हरियाणा प्रदेश की बात करूं तो 10 प्रतिशत भारतीय आर्मी का हिस्सा हरियाणा के जवानों का है। आज यदि कोई गरीब किसान की बेटी जाना चाहती है तो उसके पास पैसे नहीं हैं कि वह बड़े लेवल पर जाकर एलीट फोर्सेज़ की एकेडमी, चाहे वह एयरफोर्स हो, नेवी हो या अन्य हों, वहां इंजीनियरिंग या ऐसे किन्हीं कोर्सेज़ पर जा पाएं। अगर सैनिक स्कूल जैसे इंस्टीटयूशंस से उनको ट्रेनिंग मिलेगी तो वे एन.डी.ए. में जा सकेंगी जिससे आने समय में आप देखेंगे कि बेटियों को भी हम ऐसे इंस्टीटयूशंस में पूरी तौर पर जगह दे पाएंगे, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुऐपेद्र सिंह चन्देल,

श्री हरीश मीना,

श्री राघव लखनपाल,

श्री राहुल कस्वां,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे,

श्री राहुल शेवाले,

श्रीमती रक्षाताई खाडसे और

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे को श्री दुऐयंत चौटाला द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

माननीय अध्यक्ष : श्री पी.आर.सुंदरम - उपस्थित नहीं।